



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 179]
No. 179]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 10, 2003/चैत्र 20, 1925
NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 10, 2003/CHAITRA 20, 1925

खान मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 2003

सा.का.नि. 330(अ).—केन्द्रीय सरकार खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 (1957 का 67) की धारा 18 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए खनिज संरक्षण और विकास नियम, 1988 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खनिज संरक्षण और विकास (संशोधन) नियम, 2003 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. खनिज संरक्षण और विकास नियम, 1988 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 3 में,—
(i) खंड (क) को उसके खंड (कक) के रूप में पुनःसंख्यांकित किया जाएगा और खंड (कक) को इस रूप में संख्यांकित किए जाने के पूर्व, निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
(क) “ खान का परित्याग ” से किसी खान का सम्पूर्णतः या उसके भाग का, जब खान या उसके भाग के भीतर खनिज निक्षेपों का पूर्णतः निष्कर्षण कर लिया गया है या जब खनन संक्रियाएं अमितव्ययी हो गई हैं, अंतिम रूप से बंद करना अभिप्रेत है ;”
(ii) खंड (त्र) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
(त्र) “ अंतिम रूप से खान बंद करने की योजना ” से खनन और खनिज प्रसंस्करण संक्रियाओं की समाप्ति के पश्चात् खान या उसके भाग में उसे बंद करने, पुनरोद्धार एवं पुनर्स्थापन करने के प्रयोजन के लिए कोई योजना अभिप्रेत है, जो मानक रूपविधान और भारतीय खान ब्यूरो द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शक सिद्धांतों में विनिर्दिष्ट रीति से तैयार की गई है ;

(त्रत्र) “ वित्तीय आश्वासन ” से सक्षम प्राधिकारी को पट्टाधारक द्वारा दी गई प्रतिभूतियां अभिप्रेत हैं जिससे प्राधिकारियों की उद्धार और पुनरुद्धार लागत के संबंध में क्षतिपूर्ति की जा सके ;”;

(iii) खंड (ड) के पश्चात निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“(ड) “ खान का बंद करना ” से किसी खान या उसके भाग के संबंध में पुनरोद्धार, एवं पुनर्स्थापन के लिए किए गए उपायों के लिए, जो किसी खान या उसके भाग में खनन या प्रसंस्करण प्रक्रियाओं की समाप्ति से प्रारंभ हुए हों, किए गए उपाय अभिप्रेत हैं ;”;

(iv) खंड (ण) के पश्चात निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“(ण) “ उत्तरोत्तर खान बंद करने की योजना ” से किसी खान या उसके भाग में संरक्षा, पुनरोद्धार एवं पुनर्स्थापन अध्युपायों का उपबंध करने के प्रयोजन के लिए कोई उत्तरोत्तर योजना अभिप्रेत है, जो मानक रूपविधान और भारतीय खान ब्यूरो द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शन सिद्धांतों में विनिर्दिष्ट रीति से तैयार की गई है ;”;

(v) खंड (न) के पश्चात निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“(न) “ अस्थायी समाप्ति ” से किसी खान या उसके भाग में खनन संक्रियाओं का सुनियोजित या अनियोजित निलंबन अभिप्रेत है और जहां संक्रियाओं को निश्चित समय के पश्चात पुनः प्रारंभ किए जाने की संभावना है ;’ ।

3. उक्त नियमों के नियम 23 में उपनियम (5) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्:-

“(5) पट्टाधारक किसी खान या उसके भाग का तब तक परित्याग नहीं करेगा जब तक कि यथास्थिति प्रादेशिक खान नियंत्रक या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा सम्यक रूप से अनुमोदित अंतिम रूप से खान बंद करने की योजना को कार्यान्वित नहीं किया जाता है । इस प्रयोजन के लिए पट्टेदार प्रादेशिक खान नियंत्रक या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी से इस आशय का प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करने की अपेक्षा की जाएगी कि अंतिम रूप से खान बंद करने की योजना या ऐसे उपांतरणों के अनुसार, जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किए गए हों, संरक्षा पुनरोद्धार और पुनर्स्थापन का कार्य खान के परित्याग के पूर्व कर लिया गया है ।”।

4. उक्त नियमों के नियम 23 के पश्चात्, निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

“23क. खान बंद करने की योजना.- प्रत्येक खान में खान बंद करने की योजना होगी, जो दो प्रकार की होगी, अर्थात् :-”

(i) उत्तरोत्तर खान बंद करने की योजना ; और

(ii) अंतिम रूप से खान बंद करने की योजना ।

23ख. उत्तरोत्तर खान बंद करने की योजना का प्रस्तुत किया जाना.—(1) स्वामी, अभिकर्ता, प्रबंधक या खनन अभियंता, खनन पट्टे की नयी मंजूरी या उसके नवीकरण की दशा में खनन योजना के संघटक के रूप में उत्तरोत्तर खान बंद करने की योजना को प्रादेशिक खान नियंत्रक या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी को प्रस्तुत करेगा।

(2) स्वामी, अभिकर्ता, प्रबंधक या अभियंता विद्यमान खनन पट्टे की दशा में उत्तरोत्तर खान बंद करने की योजना को यथास्थिति प्रादेशिक खान नियंत्रक या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी को, इस नियम के प्रारंभ की तारीख से एक सौ अस्सी दिन की अवधि के भीतर अनुमोदन के लिए प्रस्तुत करेगा।

(3) स्वामी, अभिकर्ता, प्रबंधक या खनन अभियंता उत्तरोत्तर खान बंद करने की योजना का, विद्यमान खान की दशा में, उसके अनुमोदन की तारीख से या नई मंजूरी की दशा में खनन के प्रारंभ की तारीख से या खनन पट्टे के नवीकरण की तारीख से प्रत्येक पांच वर्ष पर पुनर्विलोकन करेगा और यथास्थिति खान नियंत्रक या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी को उसे अनुमोदन के लिए प्रस्तुत करेगा।

(4) यथास्थिति प्रादेशिक खान नियंत्रक या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी उत्तरोत्तर खान बंद करने की योजना के लिए अपना अनुमोदन या इंकार उसकी प्राप्ति की तारीख से नब्बे दिन के भीतर सूचित करेगा।

(5) यदि उत्तरोत्तर खान बंद करने की योजना का अनुमोदन या इंकार उपनियम (4) में यथा विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर स्वामी, अभिकर्ता, प्रबंधक या खनन अभियंता को सूचित नहीं किया जाता है तो उत्तरोत्तर खान बंद करने की योजना को अनंतिम रूप से अनुमोदित किया गया समझा जाएगा और ऐसा अनुमोदन अंतिम विनिश्चय के, जब कभी संसूचित किया जाए, अधीन रहते हुए होगा।

23ग. अंतिम खान बंद करने की योजना को प्रस्तुत किया जाना.—(1) स्वामी, अभिकर्ता, प्रबंधक या खनन अभियंता यथास्थिति प्रादेशिक खान नियंत्रक या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी का अंतिम रूप से खान बंद करने की योजना को खान के प्रस्तावित बंद करने के एक वर्ष के पूर्व अनुमोदन के लिए प्रस्तुत करेगा।

(2) यथास्थिति प्रादेशिक खान नियंत्रक या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी अंतिम रूप से खान बंद करने की योजना के लिए अपना अनुमोदन या इंकार उसकी प्राप्ति की तारीख से नब्बे दिन की अवधि के भीतर स्वामी, अभिकर्ता, प्रबंधक या खनन अभियंता को सूचित करेगा।

(3) यदि अंतिम रूप से खान बंद करने की योजना के लिए अनुमोदन या इंकार उपनियम (2) में यथा विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर स्वामी, अभिकर्ता, या खनन अभियंता को सूचित नहीं किया जाता है तो अंतिम रूप से खान बंद करने की योजना अनंतिम रूप से अनुमोदित की गई समझी जाएगी, और ऐसा अनुमोदन अंतिम विनिश्चय के, जब कभी संसूचित किया जाए, अधीन रहते हुए होगा।

23घ. खान बंद करने की योजना उपांतरण,- (1) किसी खनन पट्टे का धारक, जो अनुमोदित खान बंद करने की योजना में उपांतरण करने का इच्छुक है, यथास्थिति महानियंत्रक या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी को आशयित उपांतरणों को उपवर्णित करते हुए और ऐसे उपांतरणों के लिए कारण स्पष्ट करते हुए, अनुमोदन के लिए, प्रस्तुत करेगा।

(2) यथास्थिति महानियंत्रक या इस निमित्त, राज्य सरकार प्राधिकृत अधिकारी खंड (1) के अधीन प्रस्तुत किए रूप में उपांतरणों का अनुमोदन कर सकेगा या ऐसे परिवर्तनों सहित, जो वह समीचीन समझे उनका अनुमोदन कर सकेगा।

23ड. खनन पट्टे के धारक का उत्तरदायित्व- (1) स्वामी, अभिकर्ता, प्रबंधक या खनन अभियंता का यह सुनिश्चित करने का उत्तरदायित्व होगा कि इस नियम में निर्दिष्ट खान बंद करने की योजना में अन्तर्विष्ट संरक्षा उपाय, जिनके अन्तर्गत पुनरोद्धार और पुनर्स्थापन संकर्म हैं, अनुमोदित खान बंद करने की योजना या इस नियम के अधीन प्रादेशिक नियंत्रक या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा अनुमोदित ऐसे उपांतरणों के अनुसार किए गए हैं।

(2) स्वामी, अभिकर्ता, प्रबंधक या खनन अभियंता यथास्थिति प्रादेशिक खान नियंत्रक या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी को प्रत्येक वर्ष 1 जुलाई के पूर्व अनुमोदित खान बंद करने की योजना में परिकल्पित रूप में किए गए संरक्षात्मक या पुनर्स्थापन संकर्मों की वार्षिक रिपोर्ट और यदि कोई विचलन है तो उसके लिए कारण उपवर्णित करते हुए प्रस्तुत करेगा।

23च. वित्तीय आश्वासन - (1) प्रत्येक पट्टाधारक द्वारा वित्तीय आश्वासन दिया जाएगा। वित्तीय आश्वासन की रकम क प्रवर्ग खानों के लिए पच्चीस हजार रुपए और ख प्रवर्ग खानों के लिए पन्द्रह हजार रुपए खनन और सहबद्ध क्रियाकलापों के लिए प्रयोग में लाए गए खनन पट्टा क्षेत्र के प्रति हेक्टेयर होगी। तथापि खंड (2) में निर्दिष्ट प्ररूपों में से किसी में दी गई वित्तीय आश्वासन की न्यूनतम रकम क प्रवर्ग खानों के लिए दो लाख रुपए और ख प्रवर्ग खानों के लिए एक लाख रुपए होगी।

परंतु किसी पट्टाधारक से खनन और सहबद्ध क्रियाकलापों के क्षेत्र में वृद्धि के साथ वित्तीय आश्वासन की रकम बढ़ाए जाने की अपेक्षा की जाएगी।

परंतु यह और कि जहां पट्टाधारक खान के उत्तरोत्तर बंद करने के भाग रूप में पुनरोद्धार और पुनर्स्थापन उपाय हाथ में लेता है, वहां इस प्रकार खर्च की गई रकम की गणना पट्टाधारक द्वारा पहले से ही खर्च की गयी वित्तीय आश्वासन की राशि के रूप में की जाएगी और पट्टेदार द्वारा दी जाने वाली वित्तीय आश्वासन की कुल रकम उस परिमाण तक घटा दी जाएगी ।

(2) वित्तीय आश्वासन या उसका कोई संशोधन निम्नलिखित प्ररूपों में से किसी एक में यथास्थिति प्रादेशिक खान नियंत्रक या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी को प्रस्तुत किया जाएगा :

- (क) किसी अनुसूचित बैंक से प्रत्यय पत्र;
- (ख) अनुपालन या प्रतिभूति बंध पत्र;
- (ग) खान द्वारा उत्पादित राजस्व से वार्षिक अभिदायों द्वारा और खान के परित्याग के लिए अपेक्षित प्रत्याशित रकम राशि पर आधारित निर्मित न्यास निधि; या
- (घ) प्रतिभूति का कोई अन्य रूप या प्राधिकारी को स्वीकार्य कोई अन्य गारंटी;

(3) पट्टेदार खनन पट्टा विलेख निष्पादित करने के पूर्व यथास्थिति प्रादेशिक खान नियंत्रक या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी को वित्तीय आश्वासन प्रस्तुत करेगा । विद्यमान खनन पट्टे की दशा में पट्टादार उत्तरोत्तर खान बंद करने की योजना के साथ वित्तीय आश्वासन प्रस्तुत करेगा ।

(4) वित्तीय आश्वासन की निमुक्ति, पट्टेदार द्वारा खान बंद करने की योजना में अन्तर्विष्ट उपबंधों के समाधानप्रद अनुपालन के लिए दी गई और यथास्थिति प्रादेशिक खान नियंत्रक या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रमाणित की गई सूचना पर, प्रभावी होगी ।

(5) यदि प्रादेशिक खान नियंत्रक या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी के पास यह विश्वास करने के युक्तियुक्त आधार हैं कि अनुमोदित खान बंद करने की योजना में, जिसके संबंध में वित्तीय आश्वासन दिया गया था, परिकल्पित रूप में संरक्षा, पुनरोद्धार और पुनर्स्थापन उपाय खान बंद करने की योजना के अनुसार, पूर्णतः या भागतः, कार्यान्वित नहीं किए हैं या नहीं किए जाएंगे, तो प्रादेशिक खान नियंत्रक या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी पट्टेदार को आश्वासन दी गई राशि को प्रत्याहृत करने के लिए आदेश जारी करने के अपने आशय की लिखित सूचना, आदेश जारी किए जाने की तारीख के कम से कम तीस दिन पूर्व, देगा ।

(6) उपनियम (5) में निर्दिष्ट सूचना की प्राप्ति के तीस दिन के भीतर, यदि पट्टेदार से कोई लिखित समाधानप्रद उत्तर प्राप्त नहीं होता है तो यथास्थिति प्रादेशिक खान नियंत्रक या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी प्रतिभूति रकम प्रत्याहृत करने के लिए आदेश पारित करेगा और ऐसे आदेश की एक प्रति संबंधित राज्य सरकार को पृष्ठांकित की जाएगी ।

(7) यथास्थिति प्रादेशिक खान नियंत्रक या राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा आदेश के जारी करने पर संबंधित राज्य सरकार संरक्षा, पुनरोद्धार, पुनर्स्थापन के प्रयोजन के लिए वित्तीय आश्वासन के रूप में उपबंधित या अभिप्राप्त किए गए किसी प्रत्यय पत्र या बंध पत्र या किसी अन्य प्रतिभूति, गारंटी को वसूल कर सकेगी ।

5. उक्त नियमों के नियम 24 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :-

"24. खान में कार्य के अस्थायी रूप से बंद करने की सूचना और पट्टाधारकों की बाध्यताएं- (1)

प्रत्येक खान का स्वामी, अभिकर्ता, खनन अभियंता या प्रबंधक प्ररूप घ-1 में महानियंत्रक, खान नियंत्रक और प्रादेशिक खान नियंत्रक को प्ररूप घ-1 में एक सूचना, को जो जब खान या उसके भाग में खनन या खनन प्रसंस्करण संक्रियाएं नब्बे दिन से अधिक की अवधि के लिए बंद कर दी गई हैं, भेजेगा जिससे वह उनके पास ऐसे अस्थायी रूप से बन्द करने की तारीख से एक सौ पांच दिन के भीतर पहुंच जाए ।

(2) जहां किसी खान के स्वामी, अभिकर्ता, खनन अभियंता या प्रबंधक के नियंत्रण से परे प्राकृतिक विपदा के घटित होने के परिणामस्वरूप खान बंद होती है या किसी प्रवृत्त विधि या किसी अधिकरण या किसी न्यायालय के अधीन स्थापित किसी कानूनी अधिकारी द्वारा जारी किए गए किसी आदेश या निदेशों के अनुपालन में खान बंद होती है तो ऐसे बंद होने के चौबीस घंटे की अवधि के भीतर महानियंत्रक और प्रादेशिक नियंत्रक को तार से सूचना भेजी जाएगी और इस उपनियम के अधीन बंद करने की कोई सूचना महानियंत्रक, खान नियंत्रक या प्रादेशिक नियंत्रक को ऐसे बंद होने के पन्द्रह दिन की अवधि के भीतर प्ररूप घ-1 में भेजी जाएगी ।

(3) खान या उसके भाग के अस्थायी रूप से बंद होने के दौरान स्वामी, अभिकर्ता, प्रबंधक या खनन अभियंता का यह उत्तरदायित्व होगा कि वह अनधिकृत प्रवेश के लिए पहुंच को निर्बंधित करने के लिए युक्तियुक्त निषेधात्मक उपायों का अनुपालन करे, वैद्युत और यांत्रिकी संस्थापनों, खान प्रवेश द्वारों या कार्य स्थलों और सभी अन्य संरचनाओं के संभावित खतरे के स्रोतों के लिए रक्षक उपायों का उपबंध करे । यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी संदूषित बहिःस्त्रावों को नियंत्रित किया जाता है और सभी भौतिक, रासायनिक, जैविक मानीटरी कार्यक्रमों को जारी रखा जाता है, यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी चट्टानों के ढेरों, अधिभार ढेरों और स्टॉक ढेरों तथा समुच्छिष्टों तथा अन्य जल अवरुद्ध संरचना का स्थिर और सुरक्षित दशाओं में अनुस्क्षण किया जाता है ।"

6. उक्त नियमों के नियम 45 के उपनियम (1) में, -

(क) खंड (क) की मद (iii) में, आने वाले शब्द "बॉक्साइट" के स्थान पर "बॉक्साइट और लेटराइट" शब्द रखे जाएंगे ।

(ख) खंड (ग) की मद (iii) में, आने वाले शब्द "बॉक्साइट" के स्थान पर "बॉक्साइट और लेटराइट" शब्द रखे जाएंगे ।

7. उक्त नियमों के नियम 57 के उपनियम(7) में, '500 रु', प्रविष्टि के स्थान पर, जहां कहीं वह आती है ' 1000रु (एक हजार रुपए) ' प्रविष्टि रखी जाएगी ।

8. उक्त नियमों की अनुसूची में,-

(क) प्ररूप- घ के स्थान पर, निम्नलिखित प्ररूप रखा जाएगा, अर्थात् :-

'प्रारूप घ'

(खान या खान के भाग के परित्याग के आशय की सूचना)
(नियम 23(2) देखिए)

सेवा में,

1. महानियंत्रक
भारतीय खान ब्यूरो
नागपुर-440001.

2. खान नियंत्रक,
भारतीय खान ब्यूरो
.....पिन

आवश्यक:

प्रारूप में सूचना परित्याग के आशय की तारीख के
90 दिन के भीतर संबद्ध प्राधिकारियों के पास पहुंच जाए

3. क्षेत्रीय नियंत्रक,
भारतीय खान ब्यूरो,

4. संबंधित राज्य सरकार
.....
.....
.....

1. (i) निकाले गए खनिज का नाम
(ii) निकाले गए अन्य खनिज का नाम, यदि कोई हो-
2. खान का नाम
3. पट्टेदार /स्वामी का नाम और उस का पता

4. खनन पट्टे (ख.प) की विशिष्टियां

- (i) निष्पादन की तारीख
 (ii) अवधि.....वर्ष,.....सेतक
 (iii) पट्टाधीन क्षेत्रफल.....हेक्टेयर

5. खान की अवस्थिति

- (क) ग्राम:
 (ख) डाकघर:
 (ग) जिला:
 (घ) राज्य:

6. अभिकर्ता का नाम और पता:

7. खनन इंजीनियर का नाम और पता:

8. परित्याग की तारीख:

9. परित्याग के कारण (कृपयां जो लागू हो करे)

- (i) मांग का अभाव
 (ii) अयस्क /खनिज का निःशेषण
 (iii) अमितव्ययी संक्रियाएं

10. खनन पट्टा क्षेत्र में खनिज (जों) के भण्डार (टन में)

- (i) साबित
 (ii) संभाव्य
 (iii) संभव

11. खान में नियोजित कर्मकारों की संख्या: पुरुष स्त्री

- (क)कम्पनी श्रमिक
 (ख)संविदा श्रमिक

योग:

स्थान:

तारीख:

हस्ताक्षर

पूरा नाम:

पदाभिधान:

(स्वामी/अभिकर्ता/खनन इंजीनियर/प्रबंधक)

प्रारूप घ-।
(खान के अस्थायी रूप से बन्द होने की सूचना)
(नियम 24 देखिए)

सेवा में,

1. महानियंत्रक
भारतीय खान ब्यूरो
नागपुर-44001.

2. खान नियंत्रक,
भारतीय खान ब्यूरो
.....पिन

आवश्यक:

प्रारूप में सूचना खान में कार्य के अस्थायी रूप से बन्द होने के एक सौ पांच दिन के भीतर संबंधित अधिकारियों के पास पहुंच जाए। यदि बन्द होना पट्टेदार के नियंत्रण से परे प्राकृतिक आपदा या सरकारी आदेशों के कारण है तो यह सूचना ऐसी घटना के पन्द्रह दिन के भीतर भेजी जाए।

3. क्षेत्रीय नियंत्रक,
भारतीय खान ब्यूरो,

4. संबंधित राज्य सरकार
.....
.....
.....

1. (i) निकाले गए खनिज का नाम

(ii) निकाले गए अन्य खनिज का नाम, यदि कोई हो

2. खान का नाम

3. पट्टेदार/स्वामी का नाम और पता

4. खनन पट्टे की विशिष्टियां (ख प)

(i) निष्पादन की तारीख

(ii) अवधि.....वर्षसेतक

(iii) पट्टे के अधीन क्षेत्रहैक्टेयर

5. खान की अवस्थिति

(क) ग्राम:

(ख) डाकघर:

(ग) जिला:

(घ) राज्य:

6. अभिकर्ता का नाम और पता:
7. खनन इंजीनियर का नाम और पता:
8. अस्थायी रूप से बन्द होने की तारीख:
9. अस्थायी रूप से बन्द होने के कारण (कृपया उसे करें जो लागू हो)

- (i) मांग का अभाव
- (ii) श्रम की अनुपलब्धता
- (iii) वर्षा
- (iv) परिवहन दोष
- (v) हड़ताल/तालाबन्दी
- (vi) खर्चीली बनने वाली संक्रियाएं
- (vii) अन्य कारण (विनिर्दिष्ट करें)

10. खान पुनः आरंभ करने की संभाव्य तारीख

स्थान:

तारीख:

हस्ताक्षर

पूरा नाम:

पदाभिधान:

(स्वामी/अभिकर्ता/खनन इंजीनियर/प्रबंधक);

(ख) प्रारूप च 2 के, भाग 2 में, प्रसंस्कृत अयस्क का "श्रेणी वार उत्पादन, प्रेषण और स्टॉक से संबंधित क्रम सं 2 की सारणी में" श्रेणी (मैग्नीज अन्तर्वस्तु का प्रतिशत),-

(i) मद (ग) में, प्रविष्टि के स्थान पर, प्रविष्टि "35 % से अधिक किन्तु 46 % से कम" रखी जाएगी ;

(ii) मद (ड़) और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि अन्तः स्थापित की जाएगी, अर्थात्-

"(च) सान्द्र"

(ग) प्रारूप च-3 में,

(i) क्रम संख्या (i) के सामने आने वाले शब्द " बाक्साइट " के स्थान पर, " बाक्साइट और लेटराइट " शब्द रखे जाएंगे ;

(2) भाग 2 में, सारणी में, " प्रसंस्कृत अयस्क का श्रेणी वार उत्पादन, प्रेषण और स्टॉक से संबंधित क्रम संख्यांक 2 में, "श्रेणी (ए एल 2 ओ 3 अन्तर्वस्तु का %)" स्तंभ शीर्षक और उसके नीचे आने वाली प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:-

"श्रेणी और ए एल 2 ओ 3 अन्तर्वस्तु का %

अ एलुमिना और ऐलुमिनियम निष्कर्षण में प्रयोग के लिए के लिए (कृपया श्रेणियों की निम्नलिखित रेजों के औसत दें)-

- (क) 40% से नीचे
- (ख) 40 % से 45 % से नीचे तक
- (ग) 45 % से 50 % से नीचे तक
- (घ) 50 % से 55 % से नीचे तक
- (ङ) 55 % से 60 % से नीचे तक
- (च) 60 % और उससे अधिक

आ एलुमिना और ऐलुमिनियम धात्विक निष्कर्षण से भिन्न उपयोग के लिए (कृपया अन्त्य उपयोग औद्योगिक श्रेणी दें)

- (क) सीमेंट
- (ख) अपचायी
- (ग) रिफ्रेक्ट्री
- (घ) रासायनिक
- (ङ) अन्य (जिसके अन्तर्गत निर्यात के लिए भी है);

(घ) प्रारूप एफ 4 के भाग 2 में, "प्रसंकृत अयस्क का श्रेणीवार उत्पादन, प्रेषण और स्टॉक से संबंधित क्रम सं० 2 में, सारणी में, स्तंभ शीर्षक" श्रेणी (सी आर 2 ओ 3 अन्तर्वस्तु का % और उसके नीचे आने वाली प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात:-

"श्रेणी (सी आर 2 ओ 3 अन्तर्वस्तु का %)

अ ढेले:

- (क) 40 % सी आर 2 ओ 3 से नीचे
- (ख) 40 % सी आर 2 ओ 3 से 52 % सी आर 2 ओ 3 से नीचे तक
- (ग) 52 % सी आर 2 ओ 3 और उससे अधिक

आ फाइन्स

- (क) 40 % सी आर 2 ओ 3 से नीचे
 (ख) 40 % सी आर 2 ओ 3 से 52 % सी आर 2 ओ 3 से नीचे तक
 (ग) 52 % सी आर 2 ओ 3 और उससे अधिक

इ. सान्द्र";

(ड.) प्ररूप एफ 6 के भाग 2 में, "अपरिष्कृत और प्रसाधित अभ्रक का उत्पादन, प्रेषण और स्टाक (कि.ग्रा. में)" से संबंधित क्रम सं. 1 और स्तंभ शीर्षक तथा स्तंभ के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्

"1. अपरिष्कृत और प्रसाधित अभ्रक का उत्पादन, प्रेषण और स्टाक (कि.ग्रा. में)

	अपरिष्कृत (आर ओ एम)	खनन से आनुषंगिक अभिप्राप्त अपशिष्ट/ स्क्रेप, अभ्रक	प्राथमिक प्रसाधन के पश्चात अभिप्राप्त अपशिष्ट अभ्रक (खान स्थल पर)
1	2	3	4

(च) प्ररूप एफ 8 के भाग 2 (उत्पादन, प्रेषण और स्टाक) में, क्रम सं. 2 में सारणी के नीचे आने वाली * यदि चूना पत्थर श्रेणियां ; (क) एल डी, (ख) एस एम एस % रासायनिक और (ग) बी एफ / सीमेन्ट है तो उस दशा में, "प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :-

* विशिष्ट श्रेणियां निम्नलिखित होंगी :-

एसबस्टोस : (क) एम्फिबोल (ख) क्राइसोटाइल

रॉक फास्फेट / फासफोराइट : (क) 30-35 % पी 2 ओ 5 (ख) 25-30% पी 2 ओ 5 (ग) 20-25% पी 2 ओ 5 (घ) 15-20% पी 2 ओ 5 बैराइट्स : (क) श्वेत (जिसमें हिम श्वेत भी है) (ख) अपवर्ण

फ्लोराइट/फ्लोरस्पार : (क) 85 % सी ए एफ 2 और उससे अधिक (ख) 70 % सी ए एफ 2 से अधिक किन्तु 85% से कम (ग) 30% सी ए एफ 2 से अधिक किन्तु 70% से कम (घ) 30% सी ए एफ 2 से कम

ग्रेफाइट : (क) 80 प्रतिशत या इससे अधिक स्थिर कार्बन सहित (ख) 40 प्रतिशत या इससे अधिक किन्तु 80 प्रतिशत से कम स्थिर कार्बन सहित (ग) 40 प्रतिशत से कम स्थिर कार्बन सहित ।

केओलिन/ चीनी मिट्टी सुधटय मृत्तिका, सफेद शेल, सफेद मिट्टी : (क) अपरिष्कृत (प्राकृतिक) (ख) प्रसंस्कृत ।

कायनाइट : (क) 40% ए एल 2 ओ 3 और उससे अधिक (ख) 40% ए एल 2 ओ 3 से नीचे चूना पत्थर: (क) एल डी, (ख) एस एम एस / रासायनिक और (ग) बी एफ / सीमेन्ट । टाल्क/ स्टिएटाइट/ घीया पत्थर : (क) कीटनाशी (फिलर) श्रेणी (ख) कीटनाशी (फिलर) से भिन्न श्रेणी ।

(छ) प्ररूप एफ 9 के ग 2 में खंड (ख) के पश्चात टिप्पण में, निम्नलिखित अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"(ग) ऊपर भाग 2 में आंकड़े श्रेणी वार दिए जाएंगे । लौह अयस्क के लिए श्रेणियां क्रमशः प्ररूप एफ 1 के अनुसार होगी, मैगनीज अयस्क के लिए श्रेणियां प्ररूप एफ 2 के अनुसार होगी बाक्साइट और लेटराइट के लिए प्ररूप एफ 3 के अनुसार, क्रोमाइट के लिए प्ररूप-एफ-4 के अनुसार तांबा, सीसा, जस्ता, पाइराइट, स्वर्ण, टंगस्टन प्ररूप एफ 5 के अनुसार, अभ्रक के लिए, प्ररूप एफ 6 के अनुसार, बहुमूल्य और अर्द्ध बहुमूल्य रत्न प्ररूप एफ 7 के अनुसार, और प्ररूप एफ 8 में यथा उल्लिखित अन्य खनिजों के लिए" । ;

(ज) प्ररूप एच 2 के भाग 5 में, "प्रसंस्कृत अयस्क का श्रेणी वार उत्पादन, प्रेषण और स्टार्क" से संबंधित क्रम सं. 2 में, सारणी में स्तंभ शीर्षक श्रेणी (एम एन अन्तर्वस्तु का %) के अधीन मद (ड.) उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"(च) सान्द्रः

(झ) प्ररूप एच 3 में,

(1) क्रम संख्यांक (i) के सामने आने वाले शब्द "बाक्साइट" के स्थान पर, बाक्साइट और लेटराइट " शब्द रखे जाएंगे ।

(2) भाग 5 में, सारणी में " प्रसंस्कृत अयस्क का श्रेणी वार उत्पादन, प्रेषण और स्टार्क" से संबंधित क्रम संख्यांक 2 में, " श्रेणी (ए एल ओ अन्तर्वस्तु का %) स्तंभ शीर्षक और उसके नीचे आने वाली प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :-

" श्रेणी और ए एल 2 ओ 3 अन्तर्वस्तु का %

अ. एलुमिना और ऐलुमिनियम निष्कर्ष में प्रयोग के लिए (कृपया श्रेणियों की निम्नलिखित रेजों के औसत दें) :-

- (क) 40% से नीचे
- (ख) 40% से 45 % से नीचे तक
- (ग) 45% से 50% से नीचे तक
- (घ) 50% से 55% से नीचे तक
- (ङ.) 55% से 60% से नीचे तक
- (च) 60% और उससे अधिक

आ. एलुमिना और ऐलुमिनियम धात्विक निष्कर्षण से भिन्न उपभोग के लिए :-
(कृपया अन्य उपयोग औद्योगिक श्रेणी दें):-

- (क) सीमेन्ट
- (ख) अपचायी
- (ग) रिफ्रेक्ट्री
- (घ) रासायनिक
- (ङ.) अन्य (जिसके अन्तर्गत निर्यात के लिए भी है) ;

(न) प्रारूप एच - 4 के भाग 5 में, " प्रसंस्कृत " अयस्क को श्रेणी वार उत्पादन, प्रेषण और स्टॉक " से संबंधित क्रम सं. में, सारणी में, स्तंभ शीर्षक "श्रेणी (सी आर 2 ओ 3 अन्तर्वस्तु का % (और उसके नीचे आने वाली प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :-

" श्रेणी (सी आर 2 ओ 3 अन्तर्वस्तु का %)

- अ. ढेले
- (क) 40 % सी आर 2 ओ 3 से नीचे
 - (ख) 40 % सी आर 2 ओ 3 से 52% सी आर 2 ओ 3 से नीचे तक
 - (ग) 52% सी आर 2 ओ 3 और उससे अधिक

आ. फाइन्स

- (क) 40 % सी आर 2 ओ 3 से नीचे
- (ख) 40% सी आर 2 ओ 3 से 52% सी आर 2 ओ 3 से नीचे तक
- (ग) 52% सी आर 2 ओ 3 और उससे अधिक

इ. सांद्र ;

(ट) प्ररूप एच 6 के भाग 5 में " अपरिष्कृत और प्रसाक्षित अभ्रक का उत्पादन, प्रेषक और स्टाक (किलोग्रामों में)" से संबंधि क्रम सं. 1 और स्तंभ शीर्षक तथा स्तंभ के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा ; अर्थात्

"1. अपरिष्कृत और प्रसाक्षित अभ्रक का उत्पादन, प्रेषक और स्टाक (किलोग्रामों में)

	अपरिष्कृत(आर ओ एम)	खनन से आनुषंगिक अभिप्राप्त उपशिष्ट/स्क्रेप,अभ्रक	प्राथमिक प्रसाधन के पश्चात अभिप्राप्त अपशिष्ट/अभ्रक (खान स्थल पर)
1	2	3	4

(ठ) प्ररूप एच 8 के भाग-2 में) उत्पादन, प्रेषण और स्टाक) में क्रम सं. 2 में सारणी के नीचे आने वाले" * यदि चूना पत्थर श्रेणियां : (क) एल डी, (ख) एस एम एस/ रासायनिक और (ग) बी एफ/ सीमेन्ट है तो उस दशा में" प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :-

"* विशिष्ट श्रेणियां निम्नलिखित होगी :-

एसबेस्तास : (क) एम्फीबोल (ख) क्राइसोटाइल

रॉक फॉस्फ्रेट/ फासफोराइट : (क) 30-35 %

पी2 ओ 5 (ख) 25-30% पी2 ओ5 (ग) 20-25% पी2 ओ5 (4) 15-20 पी2 ओ5 बेराइट्स : (क) श्वेत (जिसमें हिम-श्वेत) भी है (ख) अपवर्ण

फ्लोराइट/ फ्लोरस्पर : (क) 85 % सी ए एफ 2 और उससे अधिक (ख) 70% सी ए एफ 2 या अधिक किन्तु 85% से कम (ग) 30% सी ए एफ 2 या अधिक किन्तु 70% से कम (घ) 30% सी ए एफ 2 से नीचे ।

ग्रेफाइट : (क)80 प्रतिशत या इससे अधिक स्थिर कार्बन सहित (ख) 40 प्रतिशत या इससे अधिक किन्तु 80 प्रतिशत से कम स्थिर कार्बन सहित (ग) 40 प्रतिशतसे कम स्थिर कार्बन सहित कैओलिन / चीनी मिट्टी, सुबटय मृत्तिका, सफेदशैल, सफेद मिट्टी : (क) अपरिष्कृत (प्राकृतिक) (ख) प्रसंस्कृत ।

कायनाइट : (क) 40% ए एल 2 ओ 3 और उससे अधिक (ख) 40% ए एल 2 ओ3 से नीचे

चूनापत्थर : (क)एल डी, (ख) एस एम एस/रासायनिक और (ग) बी एफ/ सीमेन्ट ।

टाल्क / स्टिएटाइट / धीया पत्थर : (क) कीटनाशी (फिलर) श्रेणी (ख) कीटनाशी (फिलर) से भिन्न श्रेणी ।" ;

(ड.) प्ररूप एच 9 के भाग 5 में, " प्रसंस्कृत अयस्क का श्रेणी वार उत्पादन, प्रेषण और स्टॉक " से संबंधित क्रम सं. 4 में,-

(1) सारणी में पहले स्तंभ शीर्षक " श्रेणी (वास्तविक श्रेणी उपदर्शित करें), के स्थान पर, निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

" श्रेणियां (अधिशुल्क दरों के अनुसार) ;

(2) सारणी के पश्चात, क्रम संख्यांक 5 से पहले, निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

" टिप्पण - ऊपर भाग 5 में आकड़े श्रेणी वार दिए जाएंगे । लौह अयस्क के लिए श्रेणियां क्रमशः प्ररूप एच-1 के अनुसार होंगी, मैगनीज अयस्क के लिए श्रेणियां प्ररूप-एच-2 के अनुसार होंगी, बाक्साइट और लेटराइट के लिए प्ररूप एच3 के अनुसार, क्रोमाइट के लिए प्ररूप एच -4 के अनुसार, ताम्बा, सीसा, जस्ता, पाइराइट, स्वर्ण, टंगस्टन के लिए प्ररूप एच-5 के अनुसार, अभ्रक के लिए, प्ररूप एच-6 के अनुसार, बहुमूल्य और अर्द्ध बहुमूल्य रत्न प्ररूप एच-7 में यथा उल्लिखित अन्य खनिजों के लिए प्ररूप एच-8 के अनुसार होंगी ।

[फा. सं. 8/1/2003-एम-6]

एस. पी. गुप्ता, संयुक्त सचिव

नोट:-मूल नियम दिनांक 24.10.1988 की जी एस आर संख्या 1023(इ) द्वारा सरकारी राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे और बाद इसमें निम्न द्वारा संशोधन किए गए:-

1. जी एस आर संख्या 227(इ) दिनांक 22.4.1991
2. जी एस आर संख्या 560 (इ) दिनांक 4.8.1995
3. जी एस आर संख्या 55(इ) दिनांक 18.1.2000
4. जी एस आर संख्या 744(इ) दिनांक 25.9.2000
5. जी एस आर संख्या 22(इ) दिनांक 11.1.2002

MINISTRY OF MINES

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th April, 2003

G.S.R. 330(E).— In exercise of the powers conferred by section 18 of the Mines and Minerals (Development and Regulation) Act, 1957 (67 of 1957), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Mineral Conservation and Development Rules, 1988, namely:-

1. (1) These rules may be called Mineral Conservation and Development (Amendment) Rules, 2003.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 3 of Mineral Conservation and Development Rules, 1988 (hereinafter referred to as the said rules), -

- (i) clause (a) shall be renumbered as (aa) thereof, and before clause (aa) as so renumbered, the following clause shall be inserted, namely:-

“(a) “abandonment of mine” means final closure of a mine either whole or part thereof when the mineral deposits within mine or part thereof, have been fully extracted or when the mining operations have become uneconomic;”;

- (ii) after clause (j), the following clause shall be inserted, namely:-

“(jj) “final mine closure plan” means a plan for the purpose of decommissioning, reclamation and rehabilitation in the mine or part thereof after cessation of mining and mineral processing operations that has been prepared in the manner specified in the standard format and guidelines issued by the Indian Bureau of Mines;

“(jjj) “financial assurance” means the sureties furnished by the leaseholder to the competent authority so as to indemnify the authorities against the reclamation and rehabilitation cost;”;

- (iii) after clause (m), the following clause shall be inserted, namely:-

“(mm) “mine closure” means steps taken for reclamation, rehabilitation measures taken in respect of a mine or part thereof commencing from cessation of mining or processing operations in a mine or part thereof;”;

- (iv) after clause (o), the following clause shall be inserted, namely:-

“(oo) “progressive mine closure plan” means a progressive plan, for the purpose of

106045103-3

providing protective, reclamation and rehabilitation measures in a mine or part thereof that has been prepared in the manner specified in the standard format and guidelines issued by Indian Bureau of Mines;’;

(v) after clause (t), the following clause shall be inserted, namely:-

‘(tt) “temporary discontinuance” means the planned or unplanned suspension of mining operations in a mine or part thereof and where the operations are likely to be resumed after certain time;’.

3. In rule 23 of the said rules, for sub rule (5), the following sub-rule shall be substituted, namely :-

“(5) The leaseholder shall not abandon a mine or part thereof unless a final mine closure plan duly approved by the Regional Controller of Mines or the officer authorized by the State Government in this behalf, as the case may be, is implemented. For this purpose, the lessee shall be required to obtain a certificate from the Regional Controller of Mines or the officer authorized by the State Government in this behalf to the effect that protective, reclamation and rehabilitation work in accordance with the final mine closure plan or with such modifications as approved by the competent authority, have been carried out before abandonment of mine.”.

4. After rule 23 of the said rules, the following rules shall be inserted, namely:-

“23A. **Mine Closure Plan.**- Every mine shall have Mine Closure Plan, which shall be of two types:-

- (i) a progressive mine closure plan; and
- (ii) a final mine closure plan.

23B. **Submission of Progressive Mine Closure Plan.**- (1) The owner, agent, manager or mining engineer shall, in case of fresh grant or renewal of mining lease, submit a progressive mine closure plan as a component of mining plan to the Regional Controller of Mines or officer authorized by the State Government in this behalf as the case may be.

(2) The owner, agent, manager or mining engineer shall, in case of existing mining lease submit a progressive mine closure plan to the Regional Controller of Mines or the officer authorized by the State Government in this behalf, as the case may be, for approval within a period of one hundred and eighty days from the date of commencement of this rule.

(3) The owner, agent, manager or mining engineer shall review the progressive mine closure plan every five years from the date of its approval in case of existing mine or from the date of opening of the mine in case of fresh grant or from the date of renewal of mining lease, as the case may be, and shall submit to the Regional Controller of Mines or officer authorised by the State Government in this behalf, as the case may be, for its approval.

(4) The Regional Controller of Mines or the officer authorised by the State Government in this behalf, as the case may be, shall convey his approval or refusal of the progressive mine closure plan within ninety days of the date of its receipt.

(5) If approval or refusal of the progressive mine closure plan is not conveyed to the owner, agent, manager or mining engineer of the mining lease within the period as specified in sub-rule (4), the progressive mine closure plan shall be deemed to have been provisionally approved, and such approval shall be subject to final decision whenever communicated.

23C. Submission of final mine closure plan.- (1) The owner, agent, manager or mining engineer shall submit a final mine closure plan to Regional Controller of Mines or the officer authorised by the State Government in this behalf, as the case may be, for approval one year prior to the proposed closure of the mine.

(2) The Regional Controller of Mines or the officer authorised by the State Government in this behalf, as the case may be, shall convey his approval or refusal of the final mine closure plan within ninety days of the date of its receipt to the owner, agent, manager or mining engineer.

(3) If approval or refusal of the final mine closure plan is not conveyed to the owner, agent, manager or mining engineer of the mining lease within the period as specified in sub rule (2), the final mine closure plan shall be deemed to have been provisionally approved, and such approval shall be subject to final decision whenever communicated.

23D. The modification of mine closure plan.- (1) The holder of a mining lease desirous of seeking modifications, in the approved mine closure plan, shall submit to the Controller General or the officer authorised by the State Government in this behalf, as the case may be, for approval setting forth the intended modifications and explaining the reasons for such modifications.

(2) The Controller General or the officer authorised by the State Government in this behalf, as the case may be, may approve the modifications as submitted under clause (1) or approve with such alterations as he may consider expedient.

23E. Responsibility of the holder of mining lease.- (1) The owner, agent, manager or mining engineer shall have the responsibility to ensure that the protective measures contained in the mine closure plan referred to in this rule including reclamation and rehabilitation works have been carried out in accordance with the approved mine closure plan or with such modifications as approved by the Regional Controller or the officer authorised by the State Government in this behalf under this rule.

(2) The owner, agent, manager or mining engineer shall submit to the Regional Controller of Mines or the officer authorised by the State Government in this behalf, as the case may be, a yearly report before 1st July of every year setting forth the extent of protective and rehabilitative works carried out as envisaged in the approved mine closure plan, and if there is any deviation, reasons thereof.

23F. Financial assurance.- (1) Financial assurance, has to be furnished by every leaseholder. The amount of financial assurance shall be rupees twenty five thousand for A category mines and rupees fifteen thousand for B category mines, per hectare of the mining lease area put to use for mining and allied activities. However, the minimum amount of financial assurance to be furnished in any of the forms referred to in clause (2) shall be rupees two lakh for A category mines and rupees one lakh for B category mines.

Provided that a leaseholder shall be required to enhance the amount of financial assurance with the increase in the area of mining and allied activities:

Provided further that where a leaseholder undertakes reclamation and rehabilitation measures as part of the progressive closure of mine, the amount so spent shall be reckoned as sum of the financial assurance already spent by the leaseholder and the total amount of financial assurance, to be furnished by the lessee, shall be reduced to that extent;

(2) The financial assurance shall be submitted in one of the following forms to Regional Controller of Mines or the officer authorised by the State Government in this behalf, as the case may be, or any amendment to it :

- (a) Letter of Credit from any Scheduled Bank;
- (b) Performance or surety bond;
- (c) Trust fund build up through annual contributions from the revenue generated by mine and based on expected amount sum required for abandonment of mine; or
- (d) Any other form of security or any other guarantees acceptable to the authority;

(3) The lessee shall submit the financial assurance to the Regional Controller of Mines or the officer authorised by the State Government in this behalf, as the case may be, before executing the mining lease deeds. In case of an existing mining lease, the lessee shall submit the financial assurance along with the progressive mine closure plan.

(4) Release of financial assurance shall be effective upon the notice given by the lessee for the satisfactory compliance of the provisions contained in the mine closure plan and certified by the Regional Controller of Mines or the officer authorised by the State Government in this behalf, as the case may be.

(5) If the Regional Controller of Mines or the officer authorised by the State Government in this behalf, has reasonable grounds for believing that the protective, reclamation and rehabilitation measures as envisaged in the approved mine closure plan in respect of which financial assurance was given has not been or will not be carried out in accordance with the mine closure plan, either fully or partially, the Regional Controller of mines or the officer authorised by the State Government in this behalf, shall give the lessee a written notice of his intention to issue the orders for forfeiting the sum assured atleast thirty days prior to the date of the order to be issued.

(6) Within thirty days of the receipt of notice referred to in sub-rule(5), if no satisfactory reply has been received in writing from the lessee, the Regional Controller of Mines or the officer authorised by the State Government in this behalf as the case may be, shall pass an order for forfeiting the surety amount and a copy of such order shall be endorsed to the concerned State Government.

(7) Upon the issuance of order by the Regional Controller of Mines or the officer authorised by the State Government in this behalf, as the case may be, the concerned State Government may realise any letter of credit or bond or any other surety, guarantee provided or obtained as financial assurance for the purpose of performance of protective, reclamation, rehabilitation measures and shall carry out those measures, or appoint an agent to do so.”

5. For rule 24 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :-

“24. Notice of temporary discontinuance of work in mines and obligations of the lease holders. - (1) The owner, agent, mining engineer or manager of every mine shall send to Controller General, Controller of Mines and the Regional Controller of Mines a notice in Form D-1 when the mining or mineral processing operations in the mine or part thereof are discontinued for a period exceeding ninety days so as to reach them within one hundred and five days from the date of such temporary discontinuance.

(2) Where the discontinuance takes place as a result of the occurrence of natural calamity beyond the control of the owner, agent, mining engineer or manager of a mine, or in compliance with any order or directions issued by any statutory authority established under any law in force or any tribunal or a court, a telegraphic intimation shall be sent to the Controller General and the Regional Controller within a period of twenty-four hours of such discontinuance; and a notice of discontinuance, under this sub rule shall be submitted to the Controller General, Controller of Mines and the Regional Controller within a period of fifteen days of such discontinuance in Form D-1.

(3) During the temporary discontinuation of mine or part thereof, it shall be the responsibility of the owner, agent, manager or mining engineer to comply with the reasonable prohibitive measures to restrict access for unauthorised entry, provide protective measures to potentially danger sources of electrical and mechanical installations, the mine openings or workings and all other structures. It shall be ensured that all contaminated effluents are controlled and all physical, chemical, biological monitoring programmes have been continued. It shall also be ensured that all rock piles, over burden piles and stock piles and tailings and other water impoundment structure have been maintained in stable and safe conditions.”

6. In rule 45 of the said rules, in sub-rule (1),-

- (a) in clause(a), in item number (iii), for the word “ bauxite”, the words “bauxite and laterite” shall be substituted;
- (b) in clause (c), in item number (iii), for the word “ bauxite”, the words “ bauxite and laterite” shall be substituted.

7. In rule 57 of the said rules, in sub-rule (7), for the entry “Rs.500/-”, wherever they occur, the entry “Rs.1000/- (rupees one thousand)” shall be substituted.

8. In the Schedule to the said rules,-

(a) for Form-D, the following Forms shall be substituted, namely :-

“FORM - D

(Notice of intention of abandonment of mine or part of the mine)

[See rule 23(2)]

To /

1. The Controller General
Indian Bureau of Mines,
Nagpur – 440 001

IMPORTANT

Notice in Form shall reach the concerned authorities within 90 days of the date of intention of abandonment.

2. The Controller of Mines,
Indian Bureau of Mines,
_____ PIN

3. The Regional Controller of Mines,
Indian Bureau of Mines.

4. State Government Concerned

1. (i) Name of the mineral worked: _____

(ii) Name of other mineral worked,
if any : _____

2. Name of the mine

3. Name and address of the
Lessee/Owner

4. Particulars of Mining Lease (ML):

(i) Date of Execution:

(ii) Period _____ Years, from _____ to _____

(iii) Area under lease _____ hectares

5.. Location of Mine

(a) Village:

(b) Post Office:

(c) District:

(d) State

6. Name and address of Agent:

7. Name and address of Mining Engineer:

8. Date of abandonment:

9. Reasons for abandonment:

[Please tick whichever is applicable]

i) Lack of demand

☐

ii) Exhaustion of ore/mineral

☐

iii) Un-economic operations

☐

10. Reserve of Mineral(s) in Mining Lease area (in tonne):

i) Proved

ii) Probable

iii) Possible

11. Number of workers employed in the mine: Male

Female

a) Company labour

b) Contract labour

Total

Place:

Date :

Signature

Name in full:

Designation:

(Owner/Agent/Mining Engineer/Manager);

FORM D-1**(Notice of temporary discontinuance of mine)****[See rule 24]**

To

1. The Controller General
Indian Bureau of Mines,
Nagpur – 440 001

2. The Controller of Mines,
Indian Bureau of Mines,

PIN

3. The Regional Controller of Mines,
Indian Bureau of Mines.

4. State Government Concerned.

IMPORTANT

Notice in Form shall reach the concerned authorities within one hundred and five days of temporary discontinuance of work in the mine. If the discontinuance is due to natural calamity beyond the control of the lessee or Government Orders, this notice shall be sent within fifteen days of such occurrence.

1. (i) Name of the mineral worked: _____

(ii) Name of other mineral worked, if any : _____

2. Name of the mine

3. Name and address of the Lessee/Owner

4. Particulars of Mining Lease (ML):

(i) Date of Execution:

(ii) Period Years, from to

(iii) Area under lease hectares

5. Location of Mine

(a) Village:

(b) Post Office:

(c) District:

(d) State

6. Name and address of Agent:

7. Name and address of Mining

Engineer:

8. Date of temporary discontinuance:

9. Reasons for temporary discontinuance:

[Please tick whichever is applicable]

- | | |
|-----------------------------------|--------------------------|
| i) Lack of demand | <input type="checkbox"/> |
| ii) Non-availability of Labour | <input type="checkbox"/> |
| iii) Rains | <input type="checkbox"/> |
| iv) Transport bottleneck | <input type="checkbox"/> |
| v) Strike/Lockout | <input type="checkbox"/> |
| vi) Operation becoming uneconomic | <input type="checkbox"/> |
| vii) Other reasons (specify) | |

10. Probable date of re-opening of the mine:

Place:
Date :

Signature
Name in full:
Designation:
(Owner/Agent/Mining
Engineer/Manager)";

(b) in Form F-2, in Part-II, in serial number 2 relating to "Grade-wise Production, Despatches and Stocks of Processed ore", in the Table, under the column heading "Grade (% of Mn content),-

(i) in item (c), for the entry, the entry, "35% to below 46%" shall be substituted;

(ii) after item (e) and entries relating thereto, the following entry shall be inserted, namely:-

"(f) Concentrates";

(c) in Form F-3,

(1) for the word "BAUXITE", occurring against serial number (i), the words "BAUXITE AND LATERITE" shall be substituted;

(2) in Part-II, in serial number 2 relating to "Grade-wise Production, Despatches and Stocks of Processed ore", in the Table, for the column heading "Grade (% of Al_2O_3 content)" and entries occurring below it, the following shall be substituted, namely:-

“Grade and % of Al_2O_3 content”

A. For use in alumina and aluminium extraction:-

(Please furnish averages of the following ranges of grades):-

- (a) Below 40%
- (b) 40% to below 45%
- (c) 45% to below 50%
- (d) 50% to below 55%
- (e) 55% to below 60%
- (f) 60% and above

B. For use other than alumina and aluminium metal extraction :-

(Please furnish end use industrial grade):-

- (a) cement
- (b) abrasive
- (c) refractory
- (d) chemical
- (e) others(including for export)”;

(d) in Form F-4, in Part-II, in serial number 2 relating to “Grade-wise Production, Despatches and Stocks of Processed ore”, in the Table, for the column heading “Grade (% of Cr_2O_3 content)” and entries occurring below it, the following shall be substituted, namely:-

“Grades (% of Cr_2O_3 content)

A. Lumps

- (a) Below 40% Cr_2O_3
- (b) 40% to below 52 % Cr_2O_3
- (c) 52% Cr_2O_3 and above

B. Fines

- (a) Below 40% Cr_2O_3
- (b) 40% to below 52 % Cr_2O_3
- (c) 52% Cr_2O_3 and above

C. Concentrates”;

(e) in Form F-6, in Part-II, for serial number 1 relating to, “Production, despatches and stocks of crude and dressed mica (in kilograms)”, and the column headings and columns, the following shall be substituted, namely-

“1. Production, despatches and stocks of crude and dressed mica. (in kilograms)

	Crude (r.o.m.)	Waste / scrap, mica obtained incidental to mining	Waste / mica obtained after preliminary dressing (at mine site)
1	2	3	4”;

(f) in Form F-8, in Part-II (PRODUCTION, DESPATCHES AND STOCKS), in serial number 2 for the entry “* In case of limestone grades are : (a) LD,(b) SMS/Chemical and (c) BF/Cement”, occurring at below the Table, the following shall be substituted, namely:-

“*The typical grades shall be following:-

Asbestos: (a) Amphibole (b) Chrysotile

Rock Phosphate/Phosphorite: (a) 30- 35% P_2O_5 (b) 25- 30 % P_2O_5 (c) 20-25% P_2O_5 (d) 15-20% P_2O_5

Barytes: (a) White (including snow-white) (b) Off colour

Fluorite/Fluorspar : (a) 85% CaF_2 and above (b) 70 to below 85% CaF_2 (c) 30 to below 70% CaF_2 (d) Below 30% CaF_2

Graphite: (a) with 80 per cent or more fixed carbon (b) with 40 per cent or more but less than 80 per cent fixed carbon (c) with less than 40 per cent fixed carbon

Kaolin/Chinaclay, Ball clay, White shale, White clay: (a) Crude (Natural) (b) Processed

Kyanite: (a) 40% Al_2O_3 & above (b) Below 40% Al_2O_3

Limestone: (a) LD, (b), SMS/Chemical and (c) BF/Cement

Talc/Steatite/Soapstone: (a) Insecticide (filler) grade (b) Other than insecticide (filler) Grade.”;

(g) in Form F-9, in Part II, in the Note, after clause (b), the following shall be inserted, namely:-

“ (c) The data in Part-II above shall be furnished grade-wise. The grades for iron ore shall be as per Form F-1, those for manganese ore as per Form F-2, for bauxite and laterite as per Form F-3, for chromite as per Form F-4 , for copper, lead, zinc, pyrites, gold, tungsten as per Form F-5, for mica, as per Form F-6, for precious and semi-precious stones as per Form F-7, and for other minerals as mentioned in Form F-8, respectively.”;

(h) in Form H-2, in Part-V, in serial number 2 relating to “Grade-wise Production, Despatches and Stocks of Processed ore, in the Table, under column heading “Grade (% of Mn content), after item (e) and entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:-

“(f) Concentrates”;

(i) in Form H-3,

(1) for the word, “BAUXITE, occurring against serial number (i) ” the words “BAUXITE AND LATERITE”, shall be substituted.

(2) in Part-V, in serial number 2 relating to “Grade-wise Production, Despatches and Stocks of Processed ore”, in the Table, for the column heading “Grade (% of Al_2O_3 content)” and entries occurring below it , the following shall be substituted, namely:

“Grade and % of Al_2O_3 content

A. For use in alumina and aluminium extraction:-

(Please furnish averages of the following ranges of grades):-

(a) Below 40%

(b) 40% to below 45%

- (c) 45% to below 50%
- (d) 50% to below 55%
- (e) 55% to below 60%
- (f) 60% and above

B. For use other than alumina and aluminium metal extraction :-
(Please furnish end use industrial grade):-

- (a) cement
 - (b) abrasive
 - (c) refractory
 - (d) chemical
 - (e) others (including for export);
- (j) in Form H-4, in Part-V, in serial number 2 relating to "Grade-wise Production, Despatches and Stocks of Processed ore", in the Table, for the column heading "Grade (% of Cr_2O_3 content)" and entries occurring below it, the following shall be substituted, namely:-

"Grades (% of Cr_2O_3 content)

A. Lumps

- (a) Below 40% Cr_2O_3
- (b) 40% to below 52 % Cr_2O_3
- (c) 52% Cr_2O_3 and above

B. Fines

- (a) Below 40% Cr_2O_3
- (b) 40% to below 52 % Cr_2O_3
- (c) 52% Cr_2O_3 and above

C. Concentrates";

- (k) in Form H-6, in Part-V, for serial number 1 relating to "Production, Despatches and Stocks of crude and dressed mica. (in kilograms) the column headings and columns, the following shall be substituted, namely-

"1. Production, dispatches and stocks of crude and dressed mica. (in kilograms)

	Crude (r.o.m.)	Waste / scrap, mica obtained incidental to mining	Waste / mica obtained after preliminary dressing (at mine site)
1	2	3	4";

- (l) in Form H-8, in Part-V (PRODUCTION, DESPATCHES AND STOCKS), in serial number 2, for the entry "* In case of limestone, grades are : (a) LD,(b) SMS/Chemical and (c) BF/Cement", occuring at below the Table, the following shall be substituted, namely:-

"*The typical grades shall be following:-
Asbestos/ (a) Amphibole (b) Chrysotile

Rock Phosphate/Phosphorite: (a) 30- 35% P_2O_5 (b) 25- 30 % P_2O_5 (c) 20-25% P_2O_5 (d) 15-20% P_2O_5

Barytes: (a) White (including snow-white) (b) Off colour

Fluorite/Fluorspar : (a) 85% CaF_2 and above (b) 70 to below 85% CaF_2 (c) 30 to below 70% CaF_2 (d) Below 30% CaF_2

Graphite: (a) with 80 per cent or more fixed carbon (b) with 40 per cent or more but less than 80 per cent fixed carbon (c) with less than 40 per cent fixed carbon

Kaolin/Chinaclay, Ball clay, White shale, White clay: (a) Crude (Natural) (b) Processed

Kyanite: (a) 40% Al_2O_3 & above (b) Below 40% Al_2O_3

Limestone: (a), LD, (b) SMS/Chemical and (c) BF/Cement

Talc/Steatite/Soapstone: (a) Insecticide (filler) grade (b) Other than insecticide (filler) grade";

(m) in Form H-9, in Part V, in serial number 4, relating to "Grade-wise Production, Despatches and Stocks of Processed ore", -

(1) in the Table for the first column heading "Grade (indicate actual grade)", the following shall be inserted, namely:-

"Grades (As per royalty rates*)";

(2) after the Table, and before serial number 5, the following shall be inserted, namely: -

"Note: The data in Part-V above shall be furnished grade-wise. The grades for iron ore shall be as per Form H-1, those for manganese ore as per Form H-2, for bauxite and laterite as per Form H-3, for chromite as per Form H-4, for copper, lead, zinc, pyrite, gold, tungsten as per Form H-5, for mica, as per Form H-6, for precious and semi-precious stones as per Form H-7, and for other minerals as mentioned in Form H-8, respectively."

[F. No. 8/1/2003-M.VI]
S. P. GUPTA, Jt. Secy.

Note: The principal rules were published in the Official Gazette, vide GSR No.1023(E) dated 24.10.1988 and subsequently amended by -

1. GSR No.227(E) dated 22.4.1991
2. GSR No.580(E) dated 4.8.1995
3. GSR No.55(E) dated 18.1.2000
4. GSR No.744(E) dated 25.9.2000
5. GSR No.22(E) dated 11.1.2002